5. नशे की लत की जकड़न से मुक्त हो ये समाज"

सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ हिमाचल प्रदेश में मादक द्रव्य पदार्थों के सेवन की रोकथाम के लिए हुई कार्यशाला (19-20 मार्च 2019)

राष्ट्रीय समाज रक्षा संस्थान दिल्ली (NISD) के सौजन्य से सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ हिमाचल प्रदेश, धर्मशाला, काँगड़ा, हिमाचल प्रदेश के नेशनल सर्विस स्कीम (न.स.स) और समाज कार्य विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. आशीष नाग और अम्बरीन जमाली द्वारा मादक द्रव्य पदार्थों के सेवन के रोकथाम एवं जागरूकता और संवेदीकरण कार्यक्रम की दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन विश्वविद्यालय के समस्त छात्रों के लिए किया गया। इस कार्यशाला का उद्घाटन माननीय कुलपति महोदय कुलदीप चन्द अग्निहोत्री और प्रतिकुलपति प्रो. एच. आर. शर्मा जी ने किया.

विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति जी ने कार्यशाला का शुभारम्भ किया और कार्यशाला को संबोधित करते हुए मादक द्रव्य पदार्थों के बारे में एवं उनकी रोकथाम के बारे में जागरूक किया और कहा कि किस प्रकार से ये मादक द्रव्य पदार्थों का सेवन समाज में सामाजिक समस्या उत्तपन करता है। प्रतिकुलपति प्रोफ्फ. एच. आर. शर्मा जी ने सभी छात्रों को संबोधित करते हुए कहा की शराब एवं नशीले पदार्थ किसी भी राज्य, शहर, कस्बे या गाँव में किसी भी रूप में उपलब्ध हो सकता हैं। इनका सेवन करने वाला व्यक्ति शारीरिक बिमारियों की चपेट के साथ साथ मानसिकता, नकारात्मक सोच व इच्छाशक्ति से ग्रस्त रहता है जिसका प्रभाव व्यक्ति के सामाजिक व पारिवारिक स्तर पर भी पड़ता है। अतः नशा अपने आप में बीमारी न होकर अनेक बिमारियों की जड़ है। इसके साथ साथ माननीय कुलपति जी ने सहायक प्रोफेसर डॉ. आशीष नाग और अम्बरीन जमाली की सराहना करते हुए और प्रोत्साहन करते हुए कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाओं का आयोजन निरंतरता के साथ विश्वविद्यालय व सामाजिक स्तर पर होना अनिवार्य है जिससे समाज व युवाओं को नशे की लत और उसके बुरे प्रभावों से अवगत कराया जा सके।

इस कार्यशाला मैं कुल 150 प्रतिभागियों ने भाग लिया |

अतः इस कार्यशाला मैं प्रोफ आशुतोष प्रदान केंद्रीय विश्वविद्यालय और श्री विजय कुमार फोर्टिस अस्पताल से मुख्या वक्ता रहे |